सत्यमेव जयते

# बर’ बिथ’लाइ

## बर’ भाषा प्रवेशिका

## BODO PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

# ई-पाठशाला

## क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें | क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें | स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें | लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें | उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें |

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

# दीक्षा

**दीक्षा** एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

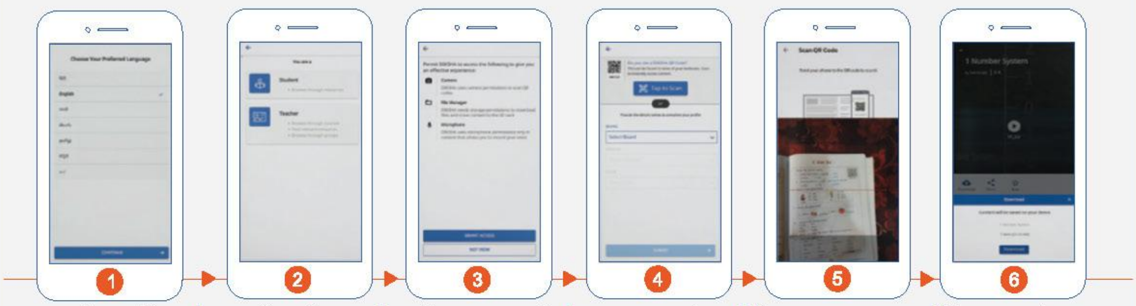

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें | अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी | पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें | क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें | कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें | क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें |

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

**श्री नरेंद्र मोदी**

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

# बर' बिथ'लाइ

## बर' भाषा प्रवेशिका

## BODO PRIMER


भारतीय भाषा संस्थान
**Central Institute of Indian Languages**
(**Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)**
**Manasagangotri, Mysuru - 570 006**
**Ph: 0821 2515820** (**Director)**
**email: ada-ciilmys@gov.in**

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
**National Council of Educational Research and Training**
**Sri Aurobindo Marg**
**New Delhi - 110016**
**Ph: 011 2696 2580**
**email: dceta.ncert@nic.in**

# बर’ बिथ’लाइ

## बर’ भाषा प्रवेशिका

## BODO PRIMER

A basal reader of Bodo alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

*Editors*
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Pinki Wary

*ISBN:* 978-81-19411-97-9

*First Edition:* March 9, 2024

*Published by* CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
*All rights reserved.* No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

*Cover Design:* Saravanan A S
*Cover Photo:* Maneswar (Manao Gedet) Daimary

*Printed by* CIIL, Mysuru and NCERT, New Delh.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

# संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

# प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों( का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

# भूमिका / Introduction / रायफोरनाय

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

भारता जुग-जुग लांखोनिफ्रायनो गोबां राउफोरजों गुबुन गुबुन ओनसोलफोराव रायज्लायजानाय गंसे बांराउवारि हादोर। बेयो हादोरनि मोनसे सरासनस्रा आखुथाइदि जों जोंनि रायज्लायनायाव गोबां राउफोरखौ बाहायो आरो रंजायो, जाय जोंनि गेजेराव गोरोबलायनाय आरो खौसेथिखौ लाखियो। एन.इ.पि.-2020-आ बे सानस्रिनि मोनसे गोख्रों बिदिन्थि होयोदि भारतनि बांराउवारि आखुथाइया मोनसे गिदिर दोहोन आरो गोहो जायखौ हादोरनि समाजारि-हारिमुवारि, रांखान्थियारि आरो सोलोंथाइयारि जौगाथाइनि थाखाय साबसिन राहायै बाहायनायनि गोनांथि दं। बेयो सोलोंथाइनि मोनफ्रोमबो थाखोआव बांरावारि सानथौखौ जौगाहोनो थाखाय सुबुरुन होयो जाहाथे सोलोंसाफोरा गावबा-गावनि राउवाव फरायनो खाबु मोनो। गासैबो भारतारि राउफोराव फोरोंनाय-सोलोंनाय फराबिजाब सोर्जिनाया हादोरनि बांराउवारि दोहोनखौ बांहोगोन आरो बेखौ ‘जौगालु भारत’ दानायाव साबसिनै बिहोमा होनो खाबु होगोन। जुरिजेन्नाय थाखोनि बिथ’लाइफोरखौ जौगाहोनो थाखाय एन.इ.पि.-2020-जों गोरोबहोनानै मोनसे गुवार आरो गासैखौबो लोगोसेयै लांफानायनि गोनांथि दं जाय भारतनि मोनफ्रोमबो ओन्सोलनि रुजुजायि राउवारि आरो हारिमुवारि आखुथाइफोरखौ फोरमायनो हायो। बे बिथ’लाइफोरनि थांखियानो जाबाय फरायनाय आरो लिरनायाव राउनि मोजां रोंगौथि होनाय आरो जुरिजेन्नाय थाखोनि

फरायसाफोरनि गेजेराव सोर्जिलु आरो जौगालु सान्नायखौ सोबांनाय। बेफोरो हांखोहालानि मोनफ्रोम हांखोखौ सिनायनो, बुजिनो आरो गारां बोनो सोलोंनायनि मोनसे बिथा महरै हाबा मावगोन। बिथ'लाइफोरा गथ'फोरखौ गावसोरनि जथायनायनि गेजेरजों बानायनाय बेफोर हांखोफोरनि मोनसे एबा बांसिन ज' लोगो नांनाय ओंथिफोरखौ मिथिहोयो, जेरै- सोदोबनि जागायजेन्नाय, गेजेरारि आरो जोबथा थावनियाव जनाय हांखोफोर, आरो मोनफ्रोम हांखोनि फरानि जोबनायाव बै हांखोखौ लिरनायनि सर' खालामनायनि खाबु खालामनानै होनाय जादों। गथ' मेथाइफोरा गथ'फोरखौ बिसोरनि राउ जौगानाय, मेलेमारि रोंगौथि आरो गोसोखांथि जौगाहोनायाव मदद खालामगोन।

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

## CIIL-NCERT Primer Series: Bodo Primer Development Team

*Guidance*

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

*Advisors*

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT**,** New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

*Member Coordinator*

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

*Resource Persons*

Rabiram Narzary, Assistant Professor, Department of Bodo, Pandu College, Guwahati
Kanun Basumatary, Under Secretary, Bodo Cell, Assam Legislative Assembly Secretariat, Dispur, Assam
Pinki Wary, RP (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati

*Reviewers*

Prahlad Kumar Brahma, Assistant Professor, Bishnu Ram Medhi Law College, Panjabari, Guwahati
Bridul Basumatary, Assistant Professor, Centre for Studies in Languages, Dibrugarh University, Assam
Sansuma Khungur Boro, Principal, Dakshin Guwahati Junior College, Guwahati, Assam
Nijwm Narzary, Assistant Teacher, Sapatgram Amalgamated Academy HS School, Kokrajhar, Assam

*Hindi Reviewers*

Biresh Kumar, Senior Resource Person, National Testing Service-India, CIIL, Mysuru
Sumitra Mishra, Junior Resource Person, National Testing Service-India, CIIL, Mysuru

*Design Team*

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

*We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.*

# बर' बिथ'लाइखौ माबोरै फरायनो

हादोरारि गोदान सोलोंथाइ बिथांखि 2020 आरो हादोरारि फरायखान्थि 2022-नि जोहै गथ'साफोरनि बिमाराउ, ननि राउ, ओन्सोलारि राउ एबा हालामारि राउवाव सोलोंथाइ होनायनि राहा खालामनाय जादों। बाल वाटिका एबा सेथि आरो नैथि थाखोनि गथ'साफोरखौ गुदि फरायसालिनि गिबि बाहागोआव फरायजेनहोनायनि राहा खालामनाय जादों। बे बेलायाव, गथ'साफोरा सिरि सिरि थानायखौ होस्रांनानै ओन्सोलारि मेथाइ आरो सल'फोरनि जोहै खुगानि राउखौ जौगाखांहोनायाव नोजोर होनाय जादों। बेखौ बिजाबनि सल', सावगारि आरो रायज्लायनानि जोहै जाफुंहोनो नाजानाय जादों। बेजों लोगोसे गथ'फोरनो रिंसार सिनायनाय, हांखो सिनायनाय, फरायनाय आरो लिरनाय सर'नि थाखायबो राउ सोलोंनाय बिजाबखौबो बाहायनाय जादों।

आसामनि बर' सुबुं गुबुङै थानाय ओन्सोलफोराव बर' बिमाराउवाव फरायनाय गथ'साफोरा बर' राउखौ फरायनो-लिरनो सोलोंनायजों लोगोसे लासै लासैयै गुबुन गोनां राउ जेरै हिन्दी आरो इंराजीखौ बोरैहाय फरायनो-लिरनो हायो बेनि ओंथिबां खान्थिखौ हादोरारि फराखान्थि 2022-आव रोखा रोखायै लिरनाय दं। गथ'साफोरा गिबि गिबि फरायनो-लिरनो सोलोङो। बेनिखायनो, हिन्दी आरो इंराजी राउनि हांखो-हाला बिजाबाव गथ'साफोरनि बिमाराउ आरो फरायसालिनि हिन्दी आरो इंराजी राउनि गासै रिंसार, हांखो आरो लेङाइ हांखोफोरखौ बिजाबाव जायगा होनाय जादों। गथ'साफोरनि हारिमु आरो आबहावानिफ्राय सोदोबमा बुथुमनाय जादों आरो बिजाबाव जायगा होनाय जादों।

बां-राउवारि सोलोंथाइनि गुदि थांखियानो जाबाय गथ'साफोरा गावसोरनि ननि राउवाव फरायनो-लिरनो जुरिनानै हादोरसानि राउवाव फरायनाय-लिरनायनि हारोंथाइखौ बांहोनाय। बर' आरो हिन्दी राउनि बे बिजाबा बर' फोरोंगिरि आरो फरायसाफोरनि थाखाय लिरजानाय। लेखा सोलोंजेन्नायनि मोनब्रै गाहाइ थाखो थायो। गिबि थाखोआव सल' आरो सावगारिनि जोहै गथ'साफोरनि सोलोआरि जौगाथाइ लाबोनाय जायो। बेनि उनाव राउ सोलोंनायनि थाखाय गथ'साफोरनो मुवा जिरादजों लोगोसे बेजों लोब्बा थानाय सोदोबनि सोमोन्दोखौ दिन्थिनाय जायो। सोदोबाव हांखोफोरखौ साजायनानै दिन्थिनाय जायो। बे थाखोआव गथ'साफोरा गुबुन गुबुन हांखोफोरखौ डिकड खालामनो सोलोङो। डिकडिंनि जोहै गथ'साफोरा रिंसार आरो हांखोनि गेजेरनि सोमोन्दोखौ बुजियो। बे राउ सोलोंनाय बिथ'लाइखौ माबोरै फरयानांगौ बेनि गुदि मोन्थोरफोरखौ गाहायाव होनाय जाबाय।

**रिंसार सिनायथि:** गथ'साफोरा सावगारि नायनानै मुवा-जिरादफोरनि मुंखौ बुंगोन। फोरोंगिरिया सोंगोन, "सावगारिनि मुङा बबे रिंसारजों जुरियो?" जेरै- 'अखाफोर'नि सावगारिखौ नायनानै बेयो /अ/ रिंसारजों जुरियो होन्नानै गथ'साफोरा सिनायगोन।

**हांखो सिनायथि:** फोरोंगिरिया गिबि गिबियाव 'अ' हांखोआ माबादि गथ'साफोरनो खिन्थागोन। बिथ'लाइयाव होनाय खायसे सोदोबफोरनिफ्राय 'अ' हांखोखौ सिनायनो थिनगोन। मोनथाम-मोनब्रै सोदोबनिफ्राय गथ'साफोरा 'अ' हांखोनि रिंसारथिखौ गारां बोगोन आरो 'अ' हांखोखौ लिरनो सर' खालामगोन।

**फरायनाय:** गथ'साफोरा सावगारि नायनानै गावनि बिमाराउवाव सोदोबखौ बुंगोन। बे सोदोबनि आगसिनिफ्राय आगदाथिं आसि दिन्थिनानै गथ'साया 'अर', 'अनला' आरो 'अमा' बुंगोन। गुबुन सोदोब फरायनानै आरो सोदोबफोराव 'अ' हांखोआ जेराव दं गथ'साफोरा 'अ' हांखोखौ सिनायगोन आरो बुंगोन। बेबादिनो, सोदोबफोरनि जागायनायाव, गेजेराव आरो जोबनायाव 'अ' हांखो एबा रिंसारा बहा बहा बाहायजादों बेखौ फोरोंगिरिया गथ'फोरनो खिन्थागोन।

'अ' हांखोखौ फरायनाय समाव फोरोंगिरिया बर्डाव 'अखाफोर' सोदोबजों लोगोसे गुबुन मोनथाम-मोनब्रै सोदोबबो लिरगोन। गथ'साफोरखौ साफा-साफा लिंहरगोन। सोदोब फरायनो आरो हांखो सिनायनो थाखाय गथ'फोरा बाहायनाय सोदोबबाख्रिनिफ्राय लानाय जागोन। गथ'साफोरा बिजाबाव सावगारि नायनानै बै सोदोबफोरखौ सिनायगोन। गावनि बिमाराउवाव बुंनो हागोन। गथ'साफोरा बेबादियै फरायनो गोर्लै मोनो। फोरोंगिरिया मोनसे सोदोब लिरनानै बेनि मोनफ्रोम हांखोखौ जुदा जुदायै गथ'साफोरखौ फरायनो थिनगोन। हांखोफोरखौ जथायनानै सोदोबखौ फरायनो खिन्थागोन। बेजों गथ'साफोरनि हांखो सिनायथि, सोदोब सिनायथि आरो रिंसार सिनायथिबो जायो। सासे गथ'साया सोदोब फरायनाय समाव गुबुन गथ'साफोरा बिजों लोगोसे बै सोदोबखौ फरायफागोन। बेखौनो बुंनाय जायो 'हान्जा आवरायनाय'।

**लिरनाय:** फोरोंगिरिया गिबि गिबियाव गथ'साफोरनो 'अखाफोर' सोदोबनि 'अ' हांखोखौ लिरनो फोरोंगोन। आगसिनिफ्राय आगदाथिं लिरनो थाखाय रेबगनखौ गथ'साया माबोरै हमनांगोन आरो दैनांगोन बेखौ फोरोंगिरिया दिन्थिगोन। बेखौनो बुंनाय जायो 'लिरनाय फोरोंनाय'। बेनि उनाव गथ'साफोरा हांखोखौ नायनानै बिजाबाव होनाय लादां जायगायाव 'अ' हांखोखौ लिरगोन। गथ'साफोरा लिरनाय-फरायनाय समाव फोरोंगिरिया हेफाजाब होगोन।

गथ'साफोरनि खुगानि राउखौ जौगाहोनो थाखाय मोनफ्रोम बिलाइयाव दोंनै-दोंथाम बाथ्राजों फिसा फिसा मेथाइ लिरनाय जादों। बेखौ खन्नानै आरो फरायनानै गथ'साफोरजों फोरोंगिरिया सर' खालामगोन। बेबादिनो, मोनफ्रोम हांखोनि फरायाव सर' खालामनाय जागोन।

गाहायनि हांखोफोरखौ नोजोर हो आरो आगदाथिं होनाय बागसुवाव बेफोरखौ बोनो नाजा :

थोंगोर हांखो :

हासा हांखो :

लिग हांखो 1 :

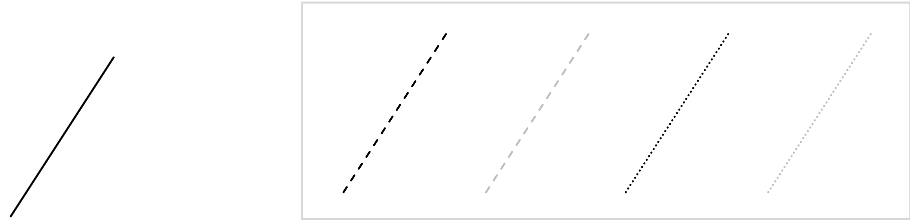

लिग हांखो 2 :

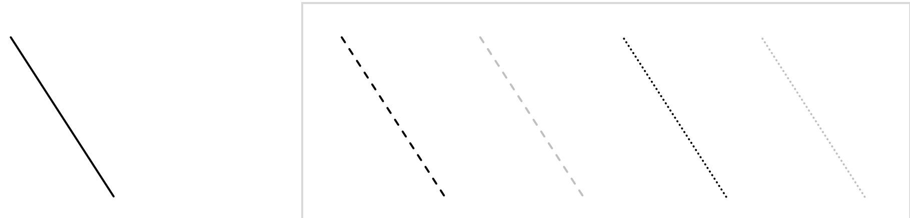

बोर्ला हांखो 1 :

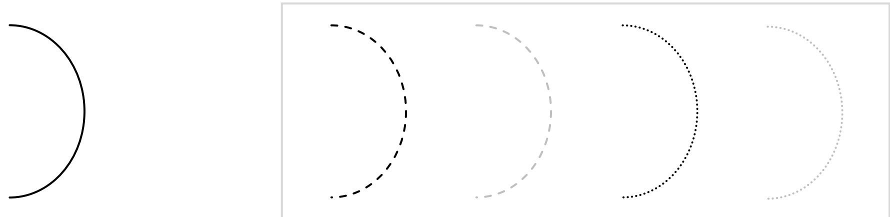

बोर्ला हांखो 2 :

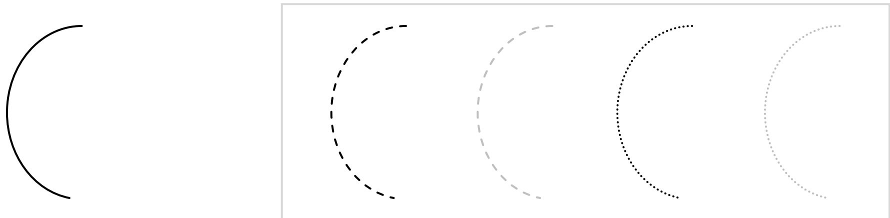

*नायनो गोनां* : रेबगन एबा पेनसिलखौ माबोरै हमनांगौ आरो होखानाय बागसुफोराव गुबुन गुबुन हांखोफोरखौ माबोरै बोनांगौ बेखौ फोरोंगिरिया गथ'साफोरनो खिन्थानांगोन।

# हांखोहाला

## गारां हांखो

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

## लेङाइ गारां हांखो

◌ʼ ◌ा ◌ि ◌ी

◌ु ◌ू ◌ृ

◌े ◌ै ◌ो ◌ौ

# खौरां हांखो

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष ड़ ढ़ त्

◌ं ◌ः ◌ँ

# गारां हांखो

# अ

## अखाफोर

चंद्रमा

अखाफोर अखाफोर
थालिर थाइसे हर।
थालिर थाइसे नङाब्ला
थालिर थाइनै हर।

| अर | अनला | अमा |
|---|---|---|
| आग | चावल की कढ़ी | सुअर |

अ अ अ

# आ

## आबै

दादी

आबै-आबौवा सल’ खिन्थायो,
आदा-आगै जों खोनासङो;
गोजोननायजों जों रंजाखाङो।

| आर’नाइ | आगान | आसान |
|---|---|---|
| आर’नाइ | पदचिह्न | चूड़ी |

आ आ आ

# इ

## इन्दि

अरंडी

इन्दि बिलाइ बिलाइ मानबायदों इन्दि एम्फौ;
इन्दि बिलाइ जाखांनानै मोनदों,
थाइजौ बिलाइयाव फिथोब थोबदों;
आइया फिथोबजों खुन्दुं लुदों आरो जि दादों।

| इसान | थाइबें | आखाइ |
|---|---|---|
| करघा | खीरा | हाथ |

इ इ इ

# ई

# ईगल

## गरुड़

ईगला अखोराङाव बिरदों,
बिरथिं बिरथिं आदार नागिरदों
जेराव नुदों बेयावनो बादों।

ई ई ई

ई ई ई

# उ

# उवाल

## ओखल

दुमब्रु खावसानि उवालजों
साल सेरेनि गाइहेनजों
दुम-दुम दाम-दाम माइ सौवौ।

| उसुमाइ | दाउस्रि | फान्थाउ |
|---|---|---|
| एक प्रकार की जड़ी-बूटी | मैना | बैंगन |

उ उ उ

# ऊ

ऊल

ऊन

गोजा-गोथां-गोमो ऊल खुन्दुं
आइया हेबो सुइटार-थफि
गानो आं गोजां बोथोराव
गुदुं-गुदुं।

ऊ ऊ ऊ

ऊ ऊ ऊ

# ऋ

# ऋषिमुनि

## ऋषि

ऋषिमुनिया सोर्जियो गेबें
सानस्रि;
बियो बयखौबो अनो,
सिबियारिनो बोर होयो।

ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ

# ए

## एम्बु

मेंढक

एम्बुवा अखा लेंहरो
एब-अं एब-अं
गब्लाया गोसो होना हाल एवो।

| एन्जर | एमाउ | एम्फौ |
|---|---|---|
| चूहा | यीस्ट | अरंडी का कीड़ा |

ए ए ए

ऐ

मैदेर

हाथी

हाग्रायाव थायो मैदेर
आगाना बेनि गेदेर गेदेर
खोमाया बेनि संग्राइसे गुवार।

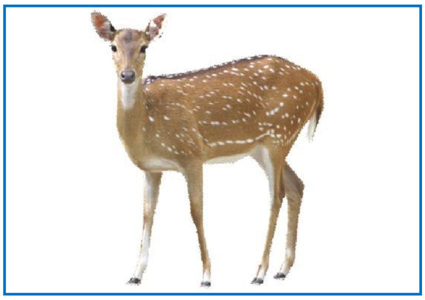

| मै | सैमा | गान्दै |
|---|---|---|
| हिरन | कुत्ता | करघा का ताना बीम |

| ऐ | ऐ | ऐ | |
|---|---|---|---|

# ओ

# ओंखाम

भात

ओंखाम-ओंख्रि गेलेनि फै,
रंजा-बाजा सोलोंनि फै,
गोगो सावस्रि दानि फै।

| ओंख्रि | बोर्मा | गांसो |
|---|---|---|
| कढ़ी | बकरी | घास |

ओ ओ ओ

# औ

# औवा

## बांस

औवा बिजौवा सिफुं सुदों;
आफा लावदुमा खाम दामदों;
आइ दाउस्रिया मोसादों।

| औवा मेवाइ | खौखाब | लाइजौ |
|---|---|---|
| बैम्बू शूट | ठोड़ी | केले के पत्ते का अग्रभाग |

औ औ औ

# खौरां हांखो

# क

# कमब्ला

## संतरा

कमब्ला थायदों बिफाङाव
रिदिं-रिदां,
जानो बेयो गोदै गोथाव।

क क क

क क क

# ख

# खाम

## ढोल

खाम दामदों फ्रिव-गुम-दागुम,
सिफुं सुदों रिव-रिवा-रिव।

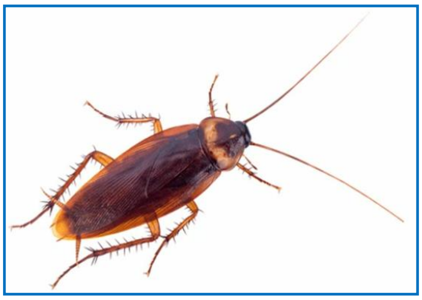

| खबाइ | खांख'मा | दाउखा |
|---|---|---|
| मछली रखने की टोकरी | तिलचट्टा | कौआ |

ख ख ख

# ग

गुमा

टिड्डी

गुमा दाउराइ फान बोराइ
फुङाव सिखारना लेखा फराय।

| गथ’ | मेगन | जग |
|---|---|---|
| बच्चा | आँख | जग |

ग ग ग

घ

घड़ी

घड़ी

घड़ीया गाबो
थिक-थिक-थिक,
थिकथिखाया गाबो
थिक-थिक-थिक।

घ घ घ

घ घ घ

# ङ

# गांगु

## मैंटिस

गांगु गांगु नोमा-नोम्फानि
राङा बेसेबां?
मानो खिन्थायो नों आजां-गाजां?

| लङा | सांग्रेमा | माइरं |
|---|---|---|
| नाली | जुगनू | चावल |

ङ ङ ङ

# च

चस्मा

चश्मा

मेगन थाइनै
देग' देग';
दाबु थोंनै
लावग' लावग'...
मा बेलाय?

च च च

च च च

# छ

# छाथा

## छाता

फ्रि-फ्रि अखा हादों
सनाथिमोना छाथा हमदों,
दुब्लियाव माइ गायदों।

| | | | |
|---|---|---|---|
| घ | घ | घ | |
| घ | घ | घ | |

ज

जोमै

बादल

अखोरां सायाव जोमै बिरदों,
हांसो सिलारि मेथाइ खनदों;
जोबोर समायखांदों।

| जिगाब | मावजि | आरज |
| --- | --- | --- |
| पुआल | बिल्ली | प्रार्थना |

ज ज ज

# झ

झ

झ

| | | | |
|---|---|---|---|
| झ | झ | झ | |
| झ | झ | झ | |
| झ | झ | झ | |
| झ | झ | झ | |

# अ

अ

अ

| | | | |
|---|---|---|---|
| अ | अ | अ | |
| अ | अ | अ | |
| अ | अ | अ | |
| अ | अ | अ | |

# ट

## पटल

परवल

दैमा-दैसा रुगुं रुगुं
मानलायो पटल हाब्रां-हाब्रां;
ख्रि-ख्रि थायो बेन्दों-बेन्दों।

| | | |
|---|---|---|
| टर्स | सुइटार | गिटार |
| टॉर्च | स्वेटर | गिटार |

ट ट ट

ਠ

ਠ

ਠ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ਠ | ਠ | ਠ | |
| ਠ | ਠ | ਠ | |
| ਠ | ਠ | ਠ | |
| ਠ | ਠ | ਠ | |

# ड

# डलफिन

## सूंस

दुं-दुं सायड्राम दामदों
मिलिटारिफोरा फेरेड गेलेदों;
थब्ललाय-जाखांलाय
डलफिनफोरा गेलेदों।

| ड्रन | सायड्राम | ड्रागन फिथाइ |
|---|---|---|
| ड्रोन | साइड ड्रम | ड्रैगन फल |

ड ड ड

# ढ

ढ

ढ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ढ | ढ | ढ | |
| ढ | ढ | ढ | |
| ढ | ढ | ढ | |
| ढ | ढ | ढ | |

# ण

ण

ण

| | | | |
|---|---|---|---|
| ण | ण | ण | |
| ण | ण | ण | |
| ण | ण | ण | |
| ण | ण | ण | |

त

ताल

ताड़

फरायसालिनि लामा लामा

लारि लारि ताल बिफां

फिथाइ थायदों बिदां बिदां।

| | | | |
|---|---|---|---|
| त | त | त | |
| त | त | त | |

थ

थाइगिर

चलता

थाइगिर बिबार अलंबार
जावैसो समबार,
सना लाबोदे जावै
बेसर बिबार।

| थाइजौ | छाथा | गाथा |
|---|---|---|
| आम | छाता | घंटी |

| थ | थ | थ | |
|---|---|---|---|

द

दाउराइ

मोर

दाउराइया मोसायो
गां फुवार फुवार,
गथ'फोरा बेखौ नायना रंजायो
गोसो होसार होसार।

| दाउदै | खादा | रोदा |
|---|---|---|
| अंडा | टोकरी | जड़ |

द द द

# ध

# धूप

## अगरबत्ती

धुप-धुना साव,
थाम्फै-जिउसा होस्रां,
न-बांखौ साखोन-सिखोन खालाम।

| धुरा | सालधुना | गाध’ |
|---|---|---|
| कछुआ (छोटा) | धूना | गधा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध | ध | ध | |

# न

## ना

## मछली

ना बोथिया बाबोराब बाबोराब
सनालै दाबोराब,
खैनालै दाबोराब।

| नारा | बनजार | सेन |
|---|---|---|
| धान की ठूंठ | मशाल | मछली पकड़ने का उपकरण |

न न न

# प

# पुजा

## पूजा

दुर्गा पुजायाव मेला जायो,
गेदेर उन्दै बयबो बेरायहैयो,
आगैया जिलापि जायो।

| पुजारी | रुपानि माला | दीप |
|---|---|---|
| पुजारी | चाँदी का हार | द्वीप |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प | प | प | |

# फ

## फिरफिला

झंडा

हारिमानि फिरफिला
गोजौवाव मै गाब, गेजेराव गुफुर,
गाहायाव गोथां;
बिरो हाइला-हुइला।

| फाथै | बिफां | बरफ |
|---|---|---|
| पान | पेड़ | बर्फ़ |

फ फ फ

# ब

## बेमा

मकड़ा

बेमाया जे सोङो खुदैजों;
मानसिया न लुयो आखाइजों।

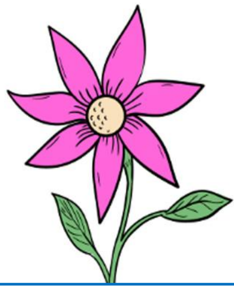

| बाख्रि | बिबार | फिथोब |
|---|---|---|
| धान रखने का घर | फूल | कोया |

ब ब ब

# भ

# भारत

भारत

भारता जोंनि बिमा हादोर।
बेयो बयनिबो समायनासिन हादोर।
थायो जों बेयाव रंजा-बाजा।
सिबियो जों बेखौ गाजा-गोमजा।

| | | | |
|---|---|---|---|
| भ | भ | भ | |
| भ | भ | भ | |

# म

# मुफुर

## भालू

मुफुरा लोमजायो सानजौफु थिराव अलसिया मानसिया खिनो ओंखारो खामानि-दामानिनि समाव।

| माइ | सामब्राम | बुहुम |
| --- | --- | --- |
| धान | प्याज | धरती |

म म म

# य

रयना

अनाज का फावड़ा

आइया रयनाजों माइ हदों,
आफाया थयलायाव माइ सोदों,
आबौवा रायदोंजों मुरा हेबदों।

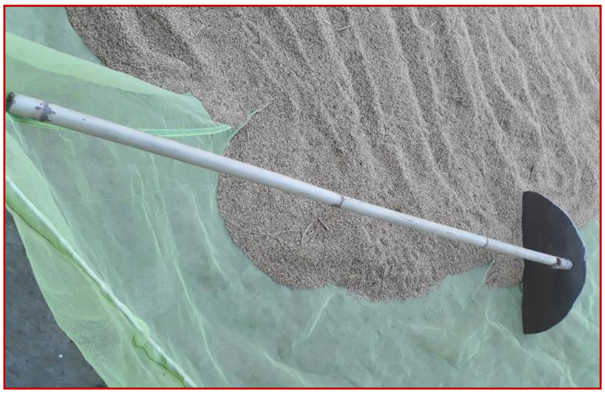

| थयला | रायदों | बिथ’राय |
|---|---|---|
| बोरा | बेंत | पत्ती की कली |

य य य

# र

# रासो

## हील्ड शाफ़्ट

रासो गुदुं ब्रेव-ब्रेव
अलसियानि दाहार ब्रेव-ब्रेव।

| रां | खुरै | जोगोनार |
|---|---|---|
| रुपया | कटोरा | कद्दू |

र र र

# ल

लाउ

लौकी

लाउ जा फान्थाउ जा
जोंहानि मोसौवा
गिदिर गोलाव जा।

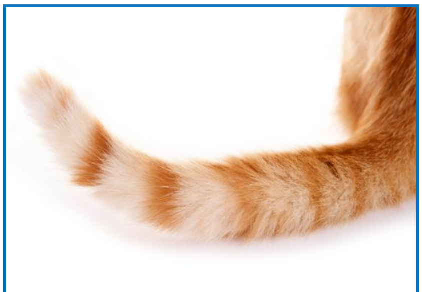

| लान्जाइ | बिलाइ | नांगोल |
|---|---|---|
| पूँछ | पत्ता | हल |

ल ल ल

# व

# रुवा

## कुल्हाड़ी

जोंहा दिनै सावरि लिंदों;
अनारुमोना रुवाजों बन सिनदों;
लावगिमोना गइ खावदों।

| खावरि | लावथि | रेवरेवा |
|---|---|---|
| सिक्का | लाठी | सिकाडा |

व व व

# श

शंख’

शंख

शंख’ मोनो लैथोआव
शंख’ सुयो सिबिनायाव।

श श श

श श श

ष

कृषण

कृषण

गेले गेले मेंग्लि मेंग्लि
उखैहाब गांहाब
नागिरो कृषणवा
घिउ-माखन।

ष ष ष

ष ष ष

# स

# सेर्जा

## सारंगी

ग-ग गगिलिं ग
सान्दो बावदियानि सेरजा हुनाय;
खैनासान्थिनि रंजाखांनाय।

| सिफुं | गिसिब | थाबिस |
|---|---|---|
| बांसुरी | पंखा | ताबीज |

स स स

# ह

# हाथर्खि

## तारा

हाथर्खि-हाला राजालामा
जोंलारि गियान सोलोंना ला।

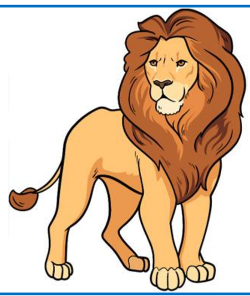

| हांसो | दैहु | सिंह’ |
| --- | --- | --- |
| बत्तख | मटकी | शेर |

ह ह ह

# क्ष

## कक्षलामा

## ग्रहपथ

सानखरां मुलुगाव
ग्रह-नक्षत्रफोरा खारो
गावबा-गावनि कक्षलामाजों।

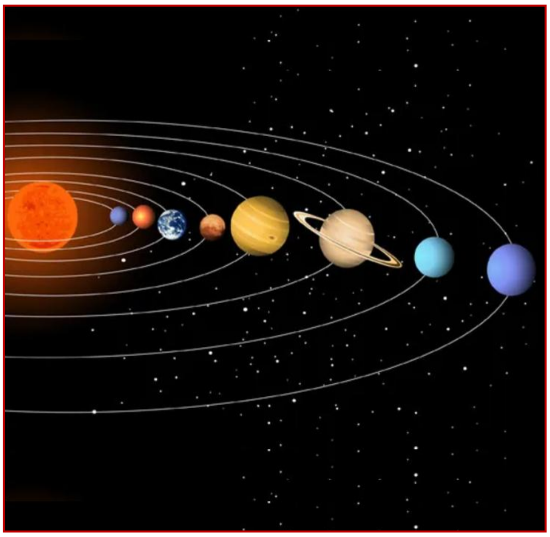

क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष

ड़

ड़

ड़

ड़ ड़ ड़

ड़ ड़ ड़

ड़ ड़ ड़

ड़ ड़ ड़

| ढ़ | ढ़ |
|---|---|
| | ढ़ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ढ़ | ढ़ | ढ़ | |
| ढ़ | ढ़ | ढ़ | |
| ढ़ | ढ़ | ढ़ | |
| ढ़ | ढ़ | ढ़ | |

त्

त्

त्

| | | | |
|---|---|---|---|
| त् | त् | त् | |
| त् | त् | त् | |
| त् | त् | त् | |
| त् | त् | त् | |

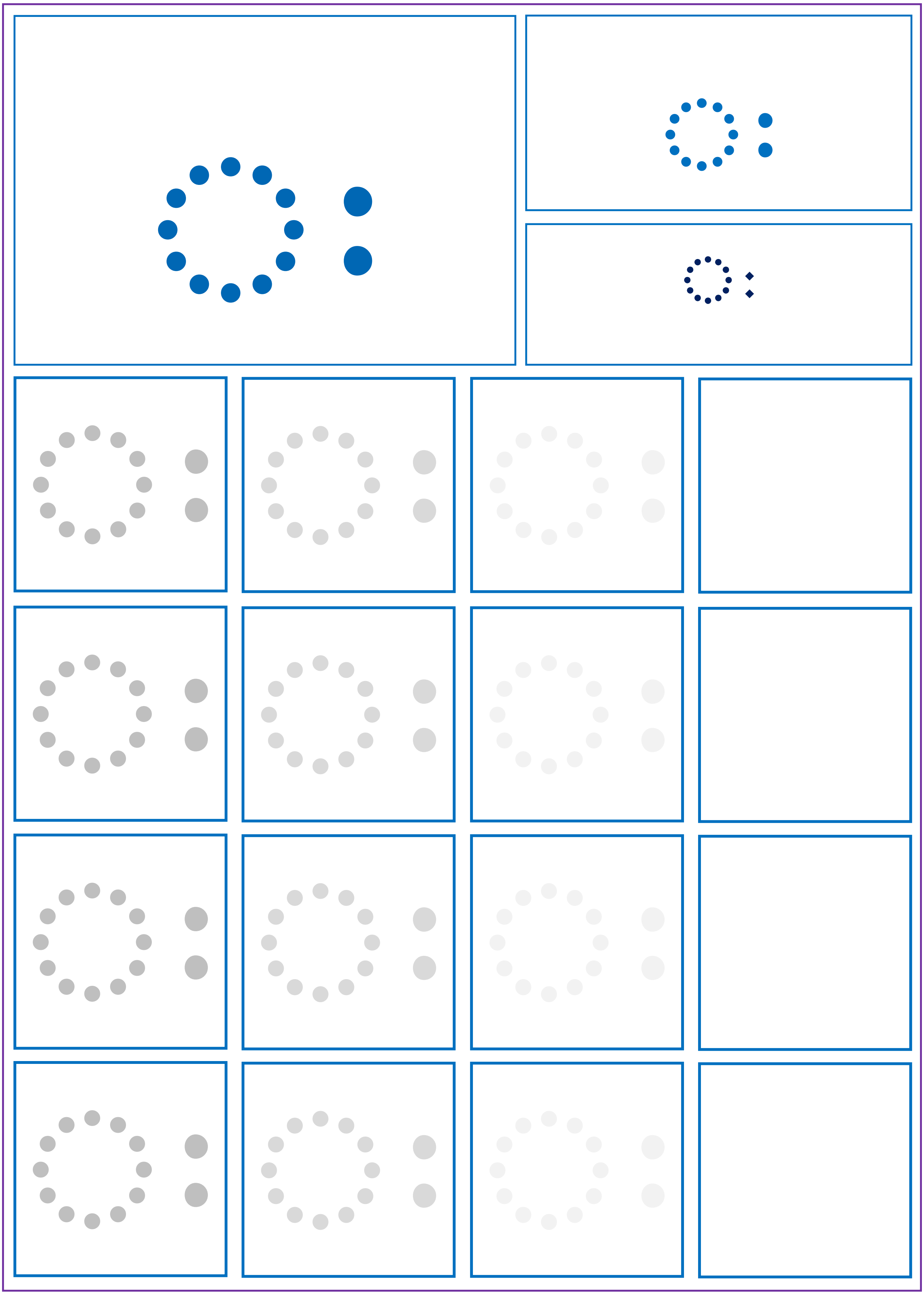

| लेङाइ हांखो (ले.हां.) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हांखो | ले.हां. | बिदिन्थि | सावगारि | सर’ |
| अ | ◌’ | खर’ | | ◌’ |
| आ | ◌ा | ना | | ◌ा |
| इ | ि◌ | जि | | ि◌ |
| ई | ◌ी | दीप | | ◌ी |
| उ | ◌ु | गान्दु | | ◌ु |
| ऊ | ◌ू | धूप | | ◌ू |

## लेङाइ हांखो (ले.हां.)

| हांखो | ले.हां. | बिदिन्थि | सावगारि | सर' |
|---|---|---|---|---|
| ऋ | ◌ृ | कृष्ण | | ◌ृ |
| ए | ◌े | बेरे | | ◌े |
| ऐ | ◌ै | दै | | ◌ै |
| ओ | ◌ो | गोमो | | ◌ो |
| औ | ◌ौ | थौ | | ◌ौ |
| ङ | ◌ं | जं | | ◌ं |

| सान्नाय फारि (Counting) | | |
|---|---|---|
| 1 | से | |
| 2 | नै | |
| 3 | थाम | |
| 4 | ब्रै | |
| 5 | बा | |
| 6 | द’ | |
| 7 | स्नि | |
| 8 | दाइन | |
| 9 | गु | |
| 10 | जि | |

| सान्नाय फारि (Counting) | | |
|---|---|---|
| 11 | जिसे | |
| 12 | जिनै | |
| 13 | जिथाम | |
| 14 | जिब्रै | |
| 15 | जिबा | |
| 16 | जिद’ | |
| 17 | जिस्नि | |
| 18 | जिदाइन | |
| 19 | जिगु | |
| 20 | नैजि | |

| गाहायनि अनजिमाफोरखौ लिर : | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | 1 | 1 | |
| 2 | 2 | 2 | 2 | |
| 3 | 3 | 3 | 3 | |
| 4 | 4 | 4 | 4 | |
| 5 | 5 | 5 | 5 | |
| 6 | 6 | 6 | 6 | |
| 7 | 7 | 7 | 7 | |
| 8 | 8 | 8 | 8 | |
| 9 | 9 | 9 | 9 | |
| 10 | 10 | 10 | 10 | |

| गाहायनि अनजिमाफोरखौ लिर : | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 11 | 11 | 11 | 11 | |
| 12 | 12 | 12 | 12 | |
| 13 | 13 | 13 | 13 | |
| 14 | 14 | 14 | 14 | |
| 15 | 15 | 15 | 15 | |
| 16 | 16 | 16 | 16 | |
| 17 | 17 | 17 | 17 | |
| 18 | 18 | 18 | 18 | |
| 19 | 19 | 19 | 19 | |
| 20 | 20 | 20 | 20 | |

# हिन्दी हांखोहाला

(हिंदी वर्णमाला)

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अं अः

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ श्र

ड़ ढ़

# ePathshala

## Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| Install ePathshala Scanner app from Play Store and open | Get ready with QR code scanning window | Place scanner above the QR code | Select and click on the link | Use available e-Resource |

**For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

# DIKSHA

**Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA**

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| Select preferred language | Choose your role: Student or Teacher | Grant access and allow app permissions | Tap to scan the QR code | Focus camera on the QR code in textbook | Click to Play QR code specific e-resource(s) |

**For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

## PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

### SCHEDULED LANGUAGES

| Sl. No. | Languages | Sl. No. | Languages | Sl. No. | Languages |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ASSAMESE | 9 | KONKANI | 17 | SANSKRIT |
| 2 | BENGALI | 10 | MAITHILI | 18 | SANTALI |
| 3 | BODO | 11 | MALAYALAM | 19 | SINDHI |
| 4 | DOGRI | 12 | MANIPURI | 20 | TAMIL |
| 5 | GUJARATI | 13 | MARATHI | 21 | TELUGU |
| 6 | HINDI | 14 | NEPALI | 22 | URDU |
| 7 | KANNADA | 15 | ODIA | | |
| 8 | KASHMIRI | 16 | PUNJABI | | |

### NON - SCHEDULED LANGUAGES

| Sl. No. | Languages | Sl. No. | Languages | Sl. No. | Languages |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ADI | 20 | KINNAURI | 39 | MISING |
| 2 | ANAL | 21 | KISAN | 40 | MIZO |
| 3 | ANGAMI | 22 | KODAVA | 41 | MOGH |
| 4 | AO | 23 | KOKBOROK | 42 | MUNDARI |
| 5 | BHILI (VASAVA) | 24 | KOLAMI | 43 | NYISHI (NISSI) |
| 6 | BHUTIA | 25 | KONDA | 44 | RABHA |
| 7 | BISHNUPRIYA MANIPURI | 26 | KORKU | 45 | RAI |
| 8 | DEORI | 27 | KORWA | 46 | SHERPA |
| 9 | DIMASA | 28 | KOYA | 47 | SAVARA (SORA) |
| 10 | GADABA | 29 | KUI | 48 | SÜMI (SEMA) |
| 11 | GARO | 30 | KUKI | 49 | TAMANG |
| 12 | HALBI | 31 | KURUKH | 50 | TANGKHUL |
| 13 | HMAR | 32 | KUZHALE (KHEZHA) | 51 | TANGSA |
| 14 | JATAPU (KUVI) | 33 | LEPCHA | 52 | TIWA |
| 15 | JUANG | 34 | LIANGMAI | 53 | TULU |
| 16 | KABUI | 35 | LIMBU | 54 | WANCHO |
| 17 | KARBI | 36 | LOTHA | | |
| 18 | KHANDESHI | 37 | MAO | | |
| 19 | KHARIA | 38 | MISHMI | | |

भारतीय भाषा संस्थान
**Central Institute of Indian Languages**
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
**National Council of Educational Research and Training**
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in